

Prof. (Dr.) K.P. Haridas

Prof. (Dr.) K.P. Haridas is the Chairman and Chief Surgeon of Lords Hospital, Thiruvananthapuram. He is a former Professor of Surgery in the Medical College Services, Kerala. He is an innovator in the field of Surgery as well as a visionary and entrepreneur, who has worked tirelessly over the past 45 years in the surgical field.

2. Born on May 4, 1943, he received his MBBS and MS degrees from Medical College Trivandrum in 1967 and 1975 respectively. He also received FRCS, from Royal College of Physicians and Surgeons, Glasgow, UK in 1979, and FMAS for Minimal Access Surgery in 2007. He started his career as a lecturer in Pharmacology in 1968 and moved on to Surgery in July 1970. He took voluntary retirement in 1997 as Professor and Head of Surgery from the Medical College services, Kerala. Under his leadership, Lords Hospital, one of the most reputed centres for Minimal Access Surgery, was commissioned in April 2000. He was the first surgeon in Kerala, and one of the very few in India, to undertake extensive liver resections for liver cancer in the early 1980s. He has been the first surgeon in Trivandrum to conduct Laparoscopic Appendicectomy in January 1996.

3. Dr. Haridas, even at very advanced age, has been working not less than twelve hours a day, undertaking the most advanced minimally invasive surgical procedures. He is a philanthropist, supporting initiatives in Kerala which educate young people and finance poor homes like Gandhi Bhavan, Pathanapuram which has more than 1000 inmates. He contributes generously to such social initiatives.

4. Dr. Haridas is the recipient of various awards and honours including Lifetime Achievement Award from Lord Swaraj Paul, at a ceremony hosted in British Parliament in 2014; Professor (Dr.) Balsalam Memorial Award; Raghavachari Memorial Oration on the Surgical Management of liver cancer at the All India Surgeons Conference in 1999 etc.



प्रो. (डॉ.) के. पि. हरिदास

प्रो. (डॉ.) के. पि. हरिदास लार्ड्स अस्पताल, तिरूवनंतपुरम के अध्यक्ष और मुख्य शल्य- चिकित्सक हैं। आप मेडिकल कॉलेज सेवाएं, केरल में शल्य चिकित्सा के पूर्व प्रोफेसॅर हैं। आप शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में एक नव-प्रवर्त्तक के साथ-साथ एक स्वप्न दृष्टा और उत्तरदायी निष्पादक हैं, जिन्होंने शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में बिना थके हुए गत 45 वर्षों से भी अधिक समय तक कार्य किया है।

2. आपका जन्म 4 मई, 1943 को हुआ था। आपने अपनी एम बी बी एस एवं एम एस की उपाधियां क्रमश: वर्ष 1967 तथा वर्ष 1975 में मेडिकल कॉलेज त्रिवेन्द्रम से अर्जित की हैं। आपने वर्ष 1979 में रायल कॉलेज ऑव फिजीसियंस एंड सर्जंस, ग्लासगो, यू के से एफ आर सी एस और वर्ष 2007 में मिनिमल एक्सेस सर्जरी की एफ एम ए एस की भी उपाधियां प्राप्त की। आपने वर्ष 1968 में औषध-विज्ञान में एक व्याख्याता के रूप में अपना कैरियर शुरू किया और जुलाई 1970 में आप शल्य चिकित्सा की ओर उन्मुख हो गए। आपने मेडिकल कॉलेज सेवाएं, केरल के प्रोफेसर एवं शल्य चिकित्सा के अध्यक्ष पद से वर्ष 1997 में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले ली थी। आपके नेतृत्व में, मिनिमल एक्सेस सर्जरी के सर्वाधिक ख्याति प्राप्त केन्द्रों में से एक- 'लार्डस अस्पताल' का शुभारंभ अप्रैल 2000 में हुआ। आप केरल के पहले ऐसे शल्य चिकित्सक और भारत में उंगली पर गिने जाने वाले कुछेक शल्य चिकित्सकों में से एक हैं, जिन्होंने 80 के दशक की शुरूआत में लीवर कैंसर के बड़े पैमाने पर लीवर-उच्छेदन किए। आप त्रिवेन्द्रम के ऐसे पहले शल्य चिकित्सक रहे हैं जिन्होंने जनवरी, 1996 में लैपरॉस्कोपी एपेण्डिसेक्टोमी शुरू की थी।

3. आप अत्यधिक उन्नत मिनिमली इनवैसिव शल्य चिकित्सकीय क्रियाविधियों को अपनाते हुए, अत्यधिक वृद्धावस्था में भी दिन में 12 घंटे से भी ज्यादा समय तक कार्य करते रहे हैं। आप एक लोकोपकारक हैं और केरल की उन पहलों में आर्थिक मदद करते हैं, जो युवा लोगों को शिक्षा प्रदान करती है और गांधी-भवन, पठानपुरम जैसे निर्धन घरों का वित्त पोषण करती है, जिसमें 1000 से अधिक निवासी रहते हैं। आप ऐसे सामाजिक पहलों के लिए उदारतापूर्वक योगदान करते हैं।

4. आपको, वर्ष 2014 में ब्रिटिश संसद में आयोजित एक समारोह में लॉर्ड स्वराज पॉल द्वारा प्रदान किए गए आजीवन पुरस्कार; प्रोफेसर (डॉ.) बालसलेम स्मारक पुरस्कार; वर्ष 1999 में अखिल भारतीय शल्य चिकित्सकों के सम्मेलन में सर्जिकल मैनेजमेंट ऑव लिवर कैंसर पर राघवचारी मेमोरियल ओरेशॅन आदि सहित विभिन्न पुरस्कारों से नवाज़ा गया।